वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 3 | मंगलवार 2 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बारिश ने कराया मई में ठंड का एहसास...

प्रदेश में बारिश, नाले के बहाव में फंसे 6 लोग:अस्पताल के वार्ड में भरा पानी, 12 साल में पहली बार मई में इतनी ठंड

जयपुर. कासं

राजस्थान में इस बार मई की शुरूआत फरवरी की सर्दी जैसी हुई। बारिश, ओलों और आंधी से राज्य के कई शहरों में रात का तापमान 20 डिग्री और दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। जयपुर, उदयपुर, कोटा समेत कई शहरों में 12 साल में पहली बार मई में इतनी ठंडी रात रही। वहीं, बरसात से जगह-जगह पानी भरने की भी जानकारी सामने आई है। करौली में तेज बहाव में तीन बच्चों समेत 6 लोग फंस गए। बाड़मेर में अस्पताल में पानी भर गया। पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो जयपुर, टोंक, उदयपुर, कोटा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, गंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, पाली, करौली, सवाई माधोपुर, बीकानेर, झालावाड़, बूंदी, बाड़मेर, जालोर समेत कई जगहों पर 2 इंच तक बरसात हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि 3 मई तक राजस्थान में इसी तरह का मौसम बना रह सकता है। 4 मई से प्रदेश में मौसम साफ होगा और तापमान बढ़ने लगेगा।

नाले के बहाव में 3 बच्चों समेत 6 लोग फंसे

करौली जिले में रविवार को कई इलाकों में बेमौसम बरसात हुई। इस दौरान करणपुर क्षेत्र में दो घंटे तक हुई तेज बारिश से भकूला नाला में तेज बहाव आ गया और 3 बच्चों समेत 6 लोग फंस गए। इन लोगों ने पानी के बहाव में बहकर आए पेड़ को पकड़कर अपनी जान बचाई। काफी देर बाद जब उनकी चीख पुकार एक चरवाहे ने सुनी तो उसने ग्रामीणों को बताया। लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची, लेकिन रास्ता बंद होने से पुलिस मौके पर नहीं पहुंच सकी। इसके बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर पर प्रयास कर सबको बाहर निकाला। नाले में पानी आने से करणपुर-मंडरायल रोड करीब 5 घंटे बंद रहा।

बाड़मेर के अस्पताल में भरा पानी

बाड़मेर जिले के समदड़ी कस्बे में रविवार रात हुई तेज बारिश से हॉस्पिटल, अंडर ब्रिज सहित कई इलाकों में पानी भर गया है। समदड़ी के सरकारी हॉस्पिटल में करीब एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गया। पानी भर जाने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, डॉक्टरों का कहना कि हॉस्पिटल बिल्डिंग नीचे होने के कारण बारिश होने पर हर साल पानी भर जाता है। नई बिल्डिंग का निर्माण हो रहा है, जल्द ही वहां पर शिफ्ट हो जाएगी।

जयपुर में पारा सामान्य से 11 डिग्री सेल्सियस नीचे

जयपुर में 30 अप्रैल को अधिकांश जगहों पर अच्छी बारिश हुई। फागी, पावटा और किशनगढ़-रेनवाल में एक इंच से ज्यादा बारिश दर्ज हुई। फागी में 35टट बरसात से जगह-जगह पानी भर गया। बारिश से जयपुर का अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया, जो सामान्य से 11 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। जयपुर में मई में इतनी ठंडी रात पिछले 12 साल में कभी नहीं रही, जितनी कल रात को थी। बीती रात जयपुर में न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो 20 मई 2021 को रहे 19.4 डिग्री सेल्सियस से भी कम है। मई 2021 में अरब सागर में चक्रवाती तूफान ताउते आया था, उस समय जयपुर समेत दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में 3 दिन तक खूब बारिश हुई थी।

रामेश्वर डूडी ने पायलट पर उठाए सवाल:कहा

बीजेपी सरकार के भ्रष्टाचार पर एक्शन हो रहा, कई मामलों में जांच पूरी

जयपुर. कासं। राजस्थान कृषि उद्योग बोर्ड के अध्यक्ष और पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी ने बीजेपी राज के करप्शन पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर सचिन पायलट के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। हालांकि डूडी ने बीजेपी राज के करप्शन पर कार्रवाई नहीं होने पर पायलट के मन की शंका को दूर करने की पैरवी भी की है। डूडी ने पिछले दिनों किसान सम्मेलन किया था। इसमें सचिन पायलट नहीं गए थे। अब पायलट और डूडी के बीच दूरी बन चुकी है। इससे पहले वह पायलट के समर्थक माने जाते थे। पंत कृषि भवन में सोमवार को मीडिया से बातचीत में डूडी ने कहा- बीजेपी के करप्शन पर कार्रवाई हो रही है। आप यह नहीं कह सकते कार्रवाई नहीं हो रही है। कई मामलों में जांच पूरी हो चुकी है। इसमें भ्रष्टाचार के राज भी खुले हैं। बीजेपी राज के भ्रष्टाचार पर कार्रवाई हुई है। हमने विपक्ष में रहते हुए आंदोलन किए थे। बीजेपी सरकार में घोटाले किए गए थे, खूब करप्शन हुआ था। हमने मजबूती से विपक्ष की भूमिका निभाई थी।

पायलट के मन की शंका दूर करे हाईकमान

पायलट के अनशन और बीजेपी राज पर कार्रवाई नहीं होने के आरोपों पर डूडी ने कहा- पायलट के साथ बैठकर गहलोत साहब और वरिष्ठ नेताओं को बात करनी चाहिए। पायलट के मन में जो शंका है, उसे उनके साथ बैठकर दूर करना चाहिए।

पदम श्री हुसैन बंधुओं का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप अप टू डेट द्वारा एक भव्य समारोह में पदम श्री अलंकरण से नवाजे जाने पर प्रदेश के जाने-माने गजल गायक उस्ताद।अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन का माल्यार्पण कर और शाल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। डॉ राजीव जैन और ग्रुप के अन्य सभी पदाधिकारियों द्वारा हुसैन बंधुओं को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए उस्ताद अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन ने कहा कि संगीत हमारी मानसिक और शारीरिक व्याधियों से निजात पाने का बड़ा साधन हो सकता है। ग्रुप सदस्यों के अनुरोध पर उन्होंने वीर जारा पिक्चर की अपनी प्रसिद्ध कव्वाली आया तेरे दर पर दीवाना भी सुनाई।

जनर्लिस्ट तरुणकुमार जैन को विक्रम साराभाई सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। मंगलधाम- वापूनगर में अखिल भारतीय जैन पत्र सम्पादक संघ की ओर से आयोजित भव्य कार्यक्रम में विज्ञान पत्रकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट अवदान हेतु वरिष्ठ पत्रकार तरुणकुमार जैन को विक्रम साराभाई सम्मान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति पानाचन्द जैन, विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति एन के जैन एवं सभाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार मिलापचन्द के करकमलों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंगलाचरण डॉ. शान्तिकुमारजी पाटिल ने किया। परमात्मप्रकाशजी भारिल्ल, महामंत्री डॉ. अखिल बंसल, राजस्थान इकाई अध्यक्ष डॉ. अरविन्द कुमार जैन, राकेश गोधा आदि ने अतिथियों का सम्मान किया। प्रशस्ति वाचन पीयूष जैन* ने किया। अखिल बंसल ने सम्पादक संघ का संक्षिप्त परिचय दिया। अभी तक 14 पत्रकारों का सम्मान इस संस्था द्वारा किया गया। सम्मानित तरुण कुमारजी जैन का जीवन परिचय डॉ. अरविन्द कुमार जैन ने प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि डॉ.एन के खींचा ने तरुणजी के अवदान को जैन समाज के लिए प्रेरणास्पद उपलब्धि बताया। न्यायमूर्ति एन के जैन ने ऐसे सम्मान कार्यक्रमों की सार्थकता बताई एवं आयोजक संस्था का धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति पानाचन्द ने विज्ञान पत्रकारिता को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने बल दिया एवं विज्ञान की नवीनतम खोजों की चर्चा की। तत्पश्चात तरुणकुमार ने सम्मान के लिए सबका आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया। सभाध्यक्ष मिलापचन्द डंडिया ने तरुणजी के हिन्दी में वैज्ञानिक पत्रकारिता की प्रसंशा की।

दि. जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन जयपुर व वीर ग्रुप द्वारा मेगा निःशुल्क चिकित्सा जांच व परामर्श शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

30 अप्रैल 2023 को प्रातः 9 बजे से 3 बजे तक मंगल धाम, प. टोडरमल स्मारक भवन, बापू नगर, जयपुर में इटरनल हॉस्पिटल व दि. जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन के तत्वावधान में एवं दि. जैन सोश्यल ग्रुप वीर जयपुर के संयोजन में मेगा निःशुल्क चिकित्सा जांच व परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के संयोजक व वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज जैन ने बताया कि शिविर में इटरनल हॉस्पिटल, शंकरा आई हॉस्पिटल, क्लोव डेंटल एवं वेलोज मेडिकल सॉल्यूशन्स की मेडिकल टीम ने अपनी निःशुल्क सेवायें दी। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि शिविर के मुख्य अतिथि चांद बाई सेठी पारमार्थिक ट्रस्ट के वीरेंद्र सेठी एवं श्रीमती शान्त देवी सेठी , अशोक चाँदवाड़,थे। शिविर में 300 से अधिक लोगो ने रजिस्ट्रेशन कराकर निःशुल्क कम्पलीट बॉडी चेक, कम्पलीट आई चेक, कम्पलीट डेंटल चेक, कान के पर्दे की जांच, ई. सी. जी. मोटापे की जांच कराई। वीर ग्रुप के सचिव पंकज जैन ने बताया कि इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र प्रबंध कमेटी श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र प्रबंध कमेटी श्री महावीर जी के मंत्री महेंद्र कुमार पाटनी , श्री दिगंबर जैन महावीर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी , श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र प्रबंध कमेटी श्री महावीर जी के कोषाध्यक्ष विवेक काला, दिगम्बर

जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार पांड्या , दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र रेवासा के अध्यक्ष ज्ञान चंद झांझरी टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के कार्यकारी मंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल राजस्थान जैन युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष वैध राजस्थान जैन युवा महासभा के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के महामंत्री महावीर बाकलीवाल, भाग चंद जैन मित्र पूरा वाले, विपिन बज, सुनील बज, सुरेश जैन बांदीकुई, पारस कुमार जैन, डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, मोहनलाल गंगवाल, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैन, शकुंतला विनायका, महावीर बोहरा, डॉ इन्दर कुमार जैन, प्रमोद सोनी, रमेश छाबड़ा, अजित जैन , विनोद बड़जात्या, महावीर विनायका, अनिल संघी , राकेश संघी, सुधीर गोधा , राजेश छाबड़ा, गिरीश जैन डॉ णमोकार जैन शांति जी पाटिल ,महावीर जैन झागवाला , अखिल बंसल, आईसीआईसीआई बैंक के मनीष जैन, डॉ मोहन लाल जैन मणि , डॉ ज्ञान चंद जैन सोगानी, सुरेश चंद जैन मुरलीपुरा वाले ,हीरा चंद बैद,पंकज जैन आशीष जैन , ऋतु कासलीवाल, सीमा बड़जात्या, सुमन बज, सुशीला बड़जात्या,सोनल जैन, समता गोदिका , रेखा जैन , कशिश जैन, आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भूमि पूजन व लोकार्पण समारोह सम्पन्न

आधारभूत सुविधाओं के लिए सतत व सम्मिलित प्रयास आवश्यक : कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एम एम श्रीवास्तव

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर न्यायालय परिसर में नव निर्मित दो न्यायालयों भवनों का लोकार्पण व नई जमीन का भूमि पूजन समारोह शनिवार को सम्पन्न हुआ। बार अध्यक्ष महावीर सुरेन्द्र जैन व महासचिव नेमीचंद सामरिया ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम 10 व अपर मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम 14 के नवनिर्मित विस्तार भवन का लोकार्पण व सांगानेर न्यायालय परिसर के लिए आवंटित भूमि का परिसर का भूमि पूजन कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव,

जस्टिस उमाशंकर व्यास व जस्टिस अनिल उपमन के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला जज जयपुर मेट्रो प्रथम श्रीमती नंदिनी व्यास ,एडीजे विशाल भार्गव, एसडीओ एकता काबरा व अन्य न्यायिक अधिकारी व अधिवक्ता उपस्थित रहे। कार्य. मुख्य न्यायाधिपति ने समारोह में सांगानेर न्यायालय परिसर के लिए भूमि आवंटन होने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य के लिए एक आधारशिला है जिसमें भव्य न्यायालय भवनों का निर्माण हो सकेगा ।उन्होंने कहा कि पीड़ित पक्षकार को न्याय प्रदान करने के लिए न्यायालयों के पास आधारभूत सुविधाएं होना अत्यंत आवश्यक है जिसके लिए जमीन का आवंटन बहुत ही महत्वपूर्ण है परंतु जमीन आवंटन की प्रक्रिया आसान नहीं है ।न्यायालय एवं अधिवक्ता पक्षकारों की सुविधा के लिए आधारभूत सुविधाएं विकसित करने के लिए सम्मिलित रूप से अथक प्रयास करते रहते हैं सांगानेर में इन्हीं प्रयासों की वजह से इस जमीन का आवंटन हो सका है । उन्होंने कहा जल्द ही सांगानेर में आधारभूत सुविधाओ युक्त न्यायालय भवनों के निर्माण के लिए प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा की बार व बेंच न्याय के दो स्तम्भ है जिनका उद्देश्य पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाना है पीड़ित पक्षकार को जल्दी से जल्दी न्याय मिले उसके लिए हमारा प्रयास है कि न्यायालयों में पर्याप्त न्यायिक अधिकारी व कर्मचारी हो तथा सुविधाओ युक्त भवन हो जिनमें आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध हो।

वेद ज्ञान

दूसरे के सुखों से पीड़ा क्यों?

हर व्यक्ति जितना अपने दुखों से पीड़ित नहीं है उससे ज्यादा वह दूसरों के सुखों से पीड़ित है। यह उसकी संकीर्ण मानसिकता और छोटी सोच का ही परिणाम है कि वह दुखों का सृजन करता है। इसके बावजूद वह सोचता है कि ऐसा मेरे साथ ही क्यों हुआ या फिर दुनिया के सारे दर्द मेरे लिए ही क्यों बने हैं, जबकि अगर सोचा जाए तो महत्वपूर्ण यह नहीं होता कि आपके पास पीड़ाएं कितनी हैं, जरूरी यह होता है कि आप उस दर्द के साथ किस तरह खुश रह जाते हैं। जब हमारी दिशाएं सकारात्मक होती हैं तो हम सृजनात्मक रच ही लेते हैं। हमें कृतज्ञ तो होना ही होगा, क्योंकि इसके बिना छोटी-छोटी तकलीफें भी पहाड़ जितनी बड़ी बन जाती हैं। एक जिंदगी जीता है, दूसरा उसे ढोता है। एक दुख में भी सुख तलाश लाता है, दूसरा प्राप्त सुख को भी दुख मान बैठता है। एक अतीत भविष्य से बंधकर भी वर्तमान के निर्माण की बुनियाद बनाता है तो दूसरा अतीत और भविष्य में खोया रहकर वर्तमान को भी गंवा देता है। कृतज्ञता जरूरी है। सभी धर्मों में कृतज्ञता का एक महत्वपूर्ण स्थान है। सिसरो से लेकर महात्मा बुद्ध तक और अन्य कई दार्शनिक व आध्यात्मिक शिक्षकों ने भी कृतज्ञता को भरपूर बांटा है और उससे प्राप्त खुशी को उत्सव की तरह मनाया है। दुनिया के सभी बड़े धर्म हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध मानते हैं कि किसी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना एक भावनात्मक व्यवहार है और अंत में इसका अच्छा प्रतिफल प्राप्त होता है। बड़े-बड़े पादरी और पंडितों ने इस विषय को लेकर बहुत-सा ज्ञान बांटा है, लेकिन आज तक इन विद्वानों ने इसे विज्ञान का रूप नहीं दिया है। महर्षि वाल्मीकि ने रामायण में भी इस बात का उल्लेख किया है कि परमात्मा ने जो कुछ आपको दिया है उसके लिए उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करो। हालांकि इसका विज्ञान बस इस छोटे से वाक्य में समाहित है कि जितना आप देंगे उससे कहीं अधिक यह आपके पास लौटकर आएगा, लेकिन इसे समझ पाना हर किसी के वश की बात नहीं है। 'कितना दें और क्यों' इस बात का गणित बेहतर ढंग से समझने की जरूरत है। किसी के लिए कुछ करके जो संतोष मिलता है उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। फिर वह कड़कती ठंड में किसी गरीब को एक प्याली चाय देना ही क्यों न हो और उसके मन में 'जो मिला बहुत मिला-शुक्रिया' के भाव हों तो जिंदगी बड़े सुकून से जी जा सकती है।

संपादकीय

दुर्घनाओं में जाती है जान...

अच्छी सड़कों को विकास के एक मानक के तौर पर देखा जाता है। लेकिन इनका इस्तेमाल करने वाले लोग अगर सफर के सलीके और कायदों को ताक पर रखते हैं, उसका नतीजा कभी भी सुखद नहीं हो सकता। आए दिन इस मसले पर अध्ययनों में यह बताया जाता रहा है कि बहुत मामूली लापरवाही की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं में जिस पैमाने पर लोगों की जान चली जाती है, वह चिंता की बात है। लेकिन ऐसा लगता है कि ये आंकड़े न सरकार को ज्यादा चिंतित करते हैं, न लोग इससे सबक लेते हैं। बेहद अफसोसजनक यह भी है कि इस तरह के हादसों में न केवल वयस्क लोगों की जान जा रही है, बल्कि उनके साथ सफर करने वाले बच्चे भी नाहक ही जान गंवा बैठते हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अकेले दिल्ली में पिछले तीन साल में एक से सत्रह वर्ष तक की उम्र वाले एक सौ इकसठ बच्चों की जान चली गई। अब यह एक सामान्य निष्कर्ष है कि इस तरह के हादसों में जितने लोगों की मौत होती है, उनमें से ज्यादातर की जान सिर्फ कुछ सावधानी के जरिए बचाई सकती है। लेकिन इस मामले में बरती जाने वाली बहुस्तरीय कोताही के चलते अव्वल तो हादसों की रफ्तार पर रोक नहीं लग पा रही है और न ही इसमें मरने वालों को बचाया जा पाता है। यह छिपा नहीं है कि वाहनों के आपस में टकरा जाने और उसमें किसी के बुरी तरह घायल होने में सबसे बड़े कारकों में यातायात नियमों का पालन नहीं करना, निर्धारित से ज्यादा तेज रफ्तार से गाड़ी चलाना, हेलमेट और अन्य सुरक्षा यंत्र पहनने को लेकर लापरवाही बरतना मुख्य हैं। जबकि सड़क पर चंद पलों के भीतर उचित निर्णय लेने में असंतुलन की वजह से बड़े हादसे हो जाते हैं और उसके बाद ये कारक किसी के जिंदा बचने की रही-सही उम्मीद खत्म कर देते हैं। यह बेवजह नहीं है कि अब सड़कों पर वाहन चलाने के मामले में नए सिरे से नियम सख्त करने, दोपहिया पर बच्चों के लिए हेलमेट अनिवार्य करने जैसे उपायों को अनिवार्य बनाने की बात उठ रही है। विडंबना यह है कि अगर कहीं नियमों के मुताबिक अमल को लेकर सरकार का आग्रह होता है तो वहां लोग अपनी ओर से इस हद तक लापरवाही बरतते हैं कि किसी की जान चली जाए। इसे यातायात को लेकर जरूरी प्रशिक्षण का अभाव कहा जा सकता है, लेकिन इससे ज्यादा यह न केवल दूसरों के जीवन के प्रति, बल्कि अपनी सुरक्षा को लेकर भी सजगता के अभाव का नतीजा है। यह बेवजह नहीं है कि कई बार वाहन चलाते हुए कोई व्यक्ति यह मान कर चलता है कि उसके आसपास या सामने कोई नहीं है और बहुत मामूली वजह से भी या तो वह हादसा कर बैठता है या फिर बेवजह घातक स्तर तक लड़ाई करता है। ऐसे दृश्य अक्सर दिख जाते हैं जब किसी वाहन में निर्धारित से ज्यादा संख्या में लोगों को बिठा कर लोग बेहद असुरक्षित तरीके से चलते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आंदोलन का रास्ता

बृजभूषण शरण सिंह पर लगे आरोपों के संदर्भ में अब तक कार्रवाई न होने की स्थिति में महिला पहलवानों को आंदोलन तक का रास्ता अख्तियार करना पड़ा। काफी जद्दोजहद के बाद शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया कि भारतीय कुश्ती महासंघ यानी डब्लूएफआइ के अध्यक्ष और सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एक नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न और धमकी देने के आरोपों पर वह प्राथमिकी दर्ज करेगी। गौरतलब है कि बृजभूषण शरण सिंह पर लगे आरोपों के संदर्भ में अब तक कार्रवाई न होने की स्थिति में महिला पहलवानों को आंदोलन तक का रास्ता अख्तियार करना पड़ा। हालांकि कुछ समय पहले जनवरी में भी पीड़ितों की ओर से पहली बार इन आरोपों के साथ सार्वजनिक रूप से अपना विरोध और दुख जाहिर किया गया था। मगर तब केंद्रीय युवा और खेल मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर की ओर से उचित कार्रवाई सुनिश्चित कराए जाने के आश्वासन पर महिला पहलवानों ने अपना विरोध वापस ले लिया था। लेकिन विडंबना यह है कि तीन महीने के बाद भी इस मसले पर कोई सक्रियता नहीं दिखी और पीड़ितों को एक बार फिर दिल्ली के जंतर मंतर पर अपना विरोध प्रदर्शन शुरू करना पड़ा। जब उन्होंने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआइआर के उनके अनुरोध पर तत्काल सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और शीर्ष अदालत ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर कहा कि मामला दर्ज क्यों नहीं किया गया है, तब जाकर अदालत को प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बारे में सूचित किया गया। जाहिर है, पुलिस ने अब जिन शिकायतों पर प्राथमिकी दर्ज करने की बात कही, उनके कानूनी रूप से ठोस आधार थे। सवाल है कि आखिर क्या कारण रहे कि इस मसले के उठने के बाद से ये आधार मौजूद होने के बावजूद दिल्ली पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू करने में इतना लंबा वक्त लगाया। हैरानी की बात यह है कि इस मामले में शिकायत सामने आने पर संवेदनशील तरीके से कार्रवाई करने के बजाय पुलिस की ओर से यहां तक कहा गया कि प्राथमिकी दर्ज करने से पहले आरोपों की जांच करने की जरूरत होगी। क्या पुलिस इस तरह की सभी शिकायतों के मामले में ऐसा ही मानदंड अपनाती है? अगर कानून सबके लिए बराबर है, तो अलग-अलग आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सक्रियता के पैमाने अलग-अलग क्यों हो जाते हैं? क्या यह अपने आप में आरोपी को बचाने की कोशिश और कानून के शासन को सवालों के कठघरे में खड़ा करना नहीं है? यह बेवजह नहीं है कि इस समूचे मामले में पुलिस के रवैये पर सवाल उठ रहे हैं कि वह पद और कद को देख कर कार्रवाई का स्तर तय करती है। हालांकि बृजभूषण शरण सिंह अगर अपने ऊपर लगे यौन-उत्पीड़न के आरोपों से इनकार कर रहे हैं तो सबसे पहले उन्हें संगठन और अपनी गरिमा का खयाल रखते हुए कोई स्पष्ट फैसला आने तक के लिए अपने पद से हट जाना चाहिए था और कानूनी प्रक्रिया में सहयोग करना चाहिए था लेकिन जो हो रहा है, वह सबके सामने है। दरअसल, इस समूचे प्रसंग में एक अहम पक्ष यही है कि जिस कद और पद के व्यक्ति के खिलाफ महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं, उसमें अपेक्षया ज्यादा शिद्दत से कार्रवाई की जरूरत है।

बेहद आत्मीयता और अपनेपन से सम्मानित हुए बागबान...

उदयपुर. शाबाश इंडिया। अचीवर्स और मेंगो धमाका इवेन्ट्स के संयुक्त तत्वावधान बागबान अवार्ड 2023 रविवार को आयोजित हुआ। इसमें लेकसिटी सहित बाहर से आए 30 ऐसे माता- पिताओं को बागबान अवार्ड से नवाजा गया जिन्होंने अपने बलिदान और संघर्ष से अपने बच्चों को एक सफल ज़िन्दगी और अलहदा मुकाम दिया। अपने आप में एक अनूठी सोच और विचार वाले इस कार्यक्रम को अन्जाम देने वाले अमित माथुर और सुनिता सिंघवी ने बताया कि हर माता पिता एक बागबान है और ये सोच उसी को लेकर थी कि आजतक कभी उन बागबानों का सम्मान नहीं हुआ जो वास्तव में हमारे पीछे है। इस सम्मान समारोह की खासियत यह थी कि बच्चों ने अपने बागबानों के बारे में लिखा और मंच पर उन्हीं के द्वारा उन बागबानों का सम्मान करवाया गया। ये सम्मान समारोह इमोशन्स, अपनेपन और पारिवारिक माहौल में सम्पन्न हुआ। जिसमें उपस्थित हर आंख खुशी और गर्व की अनुभूति से नम थीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री श्यामसुंदर पालीवाल ने इस बिल्कुल अलग सोच को सराहा। विशिष्ट अतिथि डा. सुजान सिंह छाबड़ा, डा. करूणेश सक्सेना, डा. स्वीटी छाबड़ा और अनीस मियांजी थे। मंच का संचालन डा.श्रुति टंडन और अंकित खोखावत ने किया। **रिपोर्ट/फोटो : दिनेश शर्मा, मोबाइल : 9828540157**

णमोकार महामंत्र पापों का नाशक एवं सभी सुखों का प्रदाता है : आचार्य इन्द्रनन्दी महाराज

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य इन्द्र नन्दी महाराज ससंघ अग्रवाल जैन मंदिर से मंगल विहार करके सन्त निवास नसियां जैन मंदिर पंहुचे जहाँ भगवान शांतिनाथ के दर्शन करके धर्म सभा प्रांगण पहुंचे। सोमवार को आचार्य इन्द्र नन्दी महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते

हुए कहा कि णमोकार महामंत्र के जाप्य अथवा स्मरण का सच्चा फल तभी प्राप्त हो सकता है जब हमारे मन में सच्ची आस्था हो अकाटय श्रद्धा हो वह श्रद्धा का पात्र जैन-अजैन मानव-दानव पशु तिर्यंच कोई भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमारा इतिहास इस बात का साक्षी है कि मानवो ने ही नहीं दानवो ने भी इसको आस्था पूर्वक ह्रदय में धारण किया तो उनका भी कल्याण हुआ। आचार्य श्री ने कहा कि पशु भी णमोकार मंत्र का श्रवण कर उत्तम गति को प्राप्त हुए। णमोकार महामंत्र पापों का नाशक और सम्पूर्ण सुखों का प्रदाता है। मंगल कारक है। जनकल्याणक है। आत्मा को परमात्मा बनाने में साधक है। संसार के सभी मंत्रों का उत्पादक है।अतः हमें हमेशा इस मंत्र की आराधना साधना एवं भक्ति करने के लिए तत्पर रहना चाहिए।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का शपथ ग्रहण एवं म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का शपथ ग्रहण एवं म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम 30 अप्रैल 2023 को आनंद रिसोर्ट विद्याधर नगर स्टेडियम के पास विद्याधर नगर मैं आयोजित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष राहुल जैन ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्र सिंघवी चेयरमैन नॉर्दर्न रीजन, मुख्य अतिथि महेंद्र गिरधरवाल सचिव इंटरनेशनल फेडरेशन एवं विशिष्ट अतिथि सिद्धार्थ जैन सचिव नॉर्दर्न रीजन, मनीष झंझरी इंटरनेशनल डायरेक्टर थे। महेंद्र सिंघवी चेयरमैन नॉर्दर्न रीजन द्वारा राहुल रश्मि जैन को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। महेंद्र गिरधरवाल सचिव इंटरनेशनल फेडरेशन एवं मनीष झंझरी इंटरनेशनल डायरेक्टर द्वारा ग्रुप पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। नॉर्दर्न रिजन सचिव सिद्धार्थ जैन द्वारा कार्यकारिणी सदस्यों को उनके पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष अभय अंजना गंगवाल का अभिनंदन पत्र देकर सम्मान किया गया। ग्रुप सचिव राजेंद्र जैन ने बताया कि सभी सदस्यों ने म्यूजिकल नाइट का आनंद उठाया एवं नए एवं पुराने गानों पर मनमोहक प्रस्तुति दी। मंच संचालन नीरा गदिया द्वारा बखूबी से अंजाम दिया कार्यक्रम मुख्य समन्वयक सुनील मुनिया सोगानी संयोजक संजय निशा गोदा एवं अमन आस्था थे। सभी सदस्यों को सामाजिक कार्यक्रम के तहत परिंडे वितरित भी किए गए।

शहीद मजदूरों को श्रद्धांजलि देकर मनाया मजदूर दिवस

यूनियन ने ज्ञापन देकर मजदूरों की समस्याओं के निवारण की रखी माँग

कोटा. शाबाश इंडिया

अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर थर्मल के ठेका श्रमिक हिन्द मजदूर सभा के कार्यालय पर एकत्रित हुए और शहीद मजदूरों को श्रद्धांजलि दी। यूनियन अध्यक्ष आजाद शेरवानी ने अपने उदबोधन में श्रमिकों को इस दिन के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य मजदूरों और श्रमिकों की उपलब्धियों का सम्मान करना और उनके योगदान को याद करना है। इसके साथ ही मजदूरों के हक और अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करना और शोषण को रोकना है। दरअसल पहले मजदूर वर्ग को बहुत ज्यादा शोषण झेलना पड़ता था दिन में 15 घण्टे काम करना होता था आखिर शोषण से त्रस्त होकर 1 मई 1886 को अमेरिका में मजदूर संगठित होकर सड़क पर आ गए थे इस आंदोलन में मजदूरों पर गोलियां बरसाई गईं जिसमें बहुत से मजदूरों की जान गई और सेंकड़ों श्रमिक घायल हुए मगर जांबाज मजदूरों ने आन्दोलन को शान्त नहीं होने दिया तब जाकर तीन साल बाद 1889 में अंतरराष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन की बैठक में तय हुआ कि मजदूर से दिन में मात्र 8 घंटे ही काम लिया जाएगा और 1 मई को मजदूर दिवस मनाने का प्रस्ताव भी रखा गया।

एनएसपी स्कूल में मजदूर दिवस मनाया

रावतसर. शाबाश इंडिया। स्थानीय द साइंस एकेडमी के द्वारा संचालित एनएसपी स्कूल मे आज अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया गया। इस मौके पर संस्था के प्रधानाचार्य पंकज ने श्रम के महत्व पर प्रकाश डाला और जीवन में उन्नति तरक्की सब श्रम से ही संभव है बताया तथा इस मौके पर पधारे डॉक्टर सुभाष सोनी ने कड़ी मेहनत ही सफलता का राज बताया इस अवसर पर वाहन चालको एवं चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों को सम्मानित किया उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सुरेंद्र शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक मौजूद रहे एवं बच्चों ने अतिथियों का स्वागत किया मंच संचालन सुश्री रितिका सोमानी ने किया।

अप टू डेट ग्रुप का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप अप टू डेट के शपथ ग्रहण समारोह में ज्ञान- ममता जैन ने अध्यक्ष और विवेक -कविता कासलीवाल ने सचिव पद की शपथ ली। नॉर्दन रीजन के अध्यक्ष महेंद्र -मंजू सिंघवी और सचिव सिद्धार्थ- वर्षा ने सभी पदाधिकारियों को अपने पद की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ राजीव -अंजू जैन द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई। विकास- डिंपल को उपाध्यक्ष निर्मल- पिंकी को कोषाध्यक्ष, विशांत -भानुप्रिया को संयुक्त सचिव, जिनेन्द्र-आशिमा को पीआरओ और मोना- अजय जैन को कोऑर्डिनेटर बनाया गया है। इसी के साथ संगिनी अपटूडेट के शपथ ग्रहण में नॉर्दन रीजन संगिनी कन्वीनर श्वेता लुणावत ने स्वाति जैन को अध्यक्ष और मोना जैन को सचिव पद की शपथ दिलवाई कार्यक्रम में संयोजक अजय- मोना जैन ,सुनील- शिखा जैन, नितिन -दीपशिखा जैन, अर्पित -आरती जैन रहे । सभी सदस्यों ने लाइव म्यूजिक पर तंबोला का आनंद भी लिया।

शादी की खरीदारी में इंटरवेल और चौंतरी का महत्व

उदयपुर. शाबाश इंडिया। ये महिलाएं उदयपुर शहर के समीप उंदरी गांव की हैं। आखा तीज के साथ ही गांव में शादियों का माहौल है और इसी के चलते उदयपुर शहर के धान मंडी क्षेत्र में भी खरीदारी का माहौल है। उंदरी गांव से आई ये महिलाएं जब दुपहरी में कुछ थकीं तो पास की आवासीय गली की यह चौंतरियां उनके विश्राम का ठिकाना बनी। थोड़ी देर के इंटरवेल के बाद फिर खरीदारी का दौर चला। भले ही यह आपको सामान्य लगे, लेकिन यह दृश्य चौतरियों के महत्व को बता रहा है, जो अब शहर में कुछ ही जगह नजर आती हैं।

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति का गेट टू गेदर मनोरंजक कार्यक्रम रविवार, 30 अप्रैल 2023 को कानोता कैंप रिसोर्ट में कानोता बांध की पाल जामडोली पर दोपहर 2 बजे से आयोजित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष राकेश समता गोदिका ने बताया कि कार्यक्रम में वाटर स्लाइड, स्विमिंग पूल के साथ साथ एसी हाल में मनोरजक गेम्स, हाऊजी आदि खिलाए गये। मातृ शक्ति को समर्पित इस कार्यक्रम के लिए ग्रुप की महिला सदस्यों को आयोजन की पूर्ण जिम्मेदारी दी गई थी। कार्यक्रम के लिए श्रीमती विनीता - दर्शन जैन, श्रीमती शोभना - मनीष लोंग्या, श्रीमती हेमा - विनोद सोगानी, श्रीमती पिंकी - चक्रेश जैन को समन्वयक तथा श्रीमती अलका - सुधीर गोधा व श्रीमती मंजू बज को सयोजक बनाया गया था। सचिव अनिल निशा संघी के अनुसार बारिश की फुहारों के बीच सभी ने स्विमिंग, रेन डांस के साथ साथ कार्यक्रम समन्वयक द्वारा हाऊजी तथा मनोरंजक टास्क गेम्स का सभी ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में भामाशाह विनोद-शशि तिजारिया व राजेश -जेना गंगवाल का उनके द्वारा ग्रुप को दिए गए सहयोग के लिए माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। सभी ने कानोता कैंप रिसोर्ट द्वारा स्वदिष्ट भोजन व सुंदर व्यवस्थाओं का भरपूर आनंद लिया।

आदि कुमार चले राग से वैराग्य की ओर...

तीसरे दिन तपकल्याणक के कार्यक्रम में श्रद्धालु हुए मंत्रमुग्ध

विवेक पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। शहर के नवलगढ़ रोड़ चरणसिंह कॉलोनी स्थित चंद्रलोक गार्डन में चल रहे पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन तप कल्याणक से जुड़ी मांगलिक क्रियाये एवं कार्यक्रम हुए । प्रचार मंत्री विवेक पाटोदी ने बताया कि श्री पंचकल्याणक महोत्सव में तप कल्याणक के दौरान भगवान के नामकरण संस्कार के पश्चात उनके विवाह, तदुपरांत वैराग्य दीक्षा, वन प्रस्थान आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित हजारों श्रावक इस दौरान मंत्रमुग्ध होकर कार्यक्रम को निहार रहे थे। महेश बाकलीवाल व संजय बड़जात्या ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ प्रातःकाल नित्याभिषेक व शांतिधारा से हुई । शांतिधारा का सौभाग्य प्रभुदयाल, प्रदीप कुमार, राजेश कुमार, विनय कुमार, हेमंत कुमार सेठी श्री माधोपुर वाले परिवार को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात नित्यमह व जन्मकल्याणक पूजन , जाप्य एवं हवन आदि हुए। इसके पश्चात आचार्य श्री विवेक सागर जी के मंगल प्रवचन हुए । अपने प्रवचनों में आचार्य श्री ने संस्कार के महत्व को बताया संसार की विरक्ति का कोई कारण बने बिना मुक्ति का मार्ग प्रशस्त नहीं होता। यह भी तभी संभव है जब मनुष्य के संस्कार चिंतन को सही दिशा में ले जाने की क्षमता रखते हों। भगवान के कर्मयोगी जीवन, जिनमें सांसारिक कार्य, राज्य संचालन, परिवार संचालन आदि सम्मिलित होते हैं के बीच एक दिन उन्हें ध्यान आता है संसार का यह रूप, सम्पदा क्षणिक है, अस्थिर है, किन्तु आत्मा का रूप आलौकिक है, आत्मा की संपदा अनंत अक्षय है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

प्रसन्न वो है, जो अपना मूल्यांकन करते हैं और परेशान-दुखी वो है, जो दूसरों का मूल्यांकन करते हैं...!

शाबाश इंडिया। तभी तो आदमी का जीवन एक चलता फिरता खिलौना है। दो आँखो में एक आँख से हँसना और एक आँख से रोना है। बड़ा आदमी हर वक्त बड़ा ही बना रहे, तो काम नहीं चलेगा। वक्त पर उसे छोटा भी बनना चाहिए, और झुकना भी चाहिए। आपने ध्यान दिया हो! मन्दिर में घंटा भी होता है, और घंटी भी होती है। घंटी छोटी होती है, पर घंटा बड़ा होता है। घंटा प्रभु से दूर ही रहता है, जबकि छोटी सी घंटी प्रभु के एकदम निकट होती है। जो छोटा बनकर जीता है, या अपने को छोटा बनाकर जीता है, वह सबके दिलों के एकदम करीब होता है। वह सब के दिलों पर राज करता है। हीरा छोटा होता है, तो भी बहुमूल्य होता है। संत और सज्जन पुरुष कभी अपने मुख से खुद की प्रशंसा नहीं करते। हीरा कब कहता है, मेरा मूल्य क्या है-? दुनिया तो संत और सज्जनों की प्रशंसा करती है। मगर खुद संत और सज्जन अपनी प्रशंसा को पसंद नहीं करते। एक कवि ने कहा है -- प्रशंसा एक कन्या है, जो अब तक कुंवारी है। क्योंकि सज्जन उसे पसंद नहीं करते और दुर्जनों को वह पसंद नहीं करती...। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com